

This question paper contains 2 printed pages.

Roll No. :
Unique Paper Code : 121301301
Title of the Paper : Linguistic Analysis of Sanskrit, Translation, Essay
and Laghusiddhāntakaumudī
Name of the Course : M.A., Sanskrit (LOCF), Examination, Jan 2024
Semester : III
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण का वर्णन कीजिए। 07
Describe the Morphological classification of languages.
अथवा/OR
विभिन्न भाषा परिवारों का वर्णन कीजिए।
Describe the various languages families.
2. ध्वनि-परिवर्तन की प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए। 07
Describe the major causes of phonological change.
अथवा/OR
भारत-ईरानी शाखा पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the Indo-Iranian branch.
3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 5x2=10
Write notes on any **two** of the following.
शतम् एवं केण्टुम्, प्राकृत-भाषा, ग्रिम नियम, ध्वनि-परिवर्तन
4. अधोलिखित प्रत्येक खण्ड में से किसी दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए- 4x4=16
Explain any **two** sutras with example from each section of the of the following-
i. प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्, कर्तृकरणे कृता बहुलम्, तस्मान्नुडचि, नञ्
ii. वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्, ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, संयोगादेरातो धातोर्यण्वतः, तत्र तस्येव, तसौ मत्वर्थे
5. अधोलिखित प्रत्येक खण्ड में से किसी दो-दो पदों की सिद्धि प्रक्रिया सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रस्तुत कीजिए। 4x4=16
Present the derivational process with sutras of any **two** words from each section of the following-

- i. उपकृष्णम्, यूपदारु, चोरभयम्, घनश्यामः
- ii. चेयम्, स्तुत्यः, छिन्नः गोमान्, गोता

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए ।

08

Write an essay on any one topic of the following in **Sanskrit language**.

चन्द्रयानम्, राष्ट्रियशिक्षानीतिः, भारतीया-संस्कृतिः, वेदाङ्गानि तेषामुपयोगिता च

7. निम्नलिखित गद्यांशो का संस्कृतभाषा में अनुवाद कीजिए ।

06

Translate the following paragraph into **Sanskrit language**.

प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा वैदिक काल से ही निरन्तर प्रवाहमान रही है। इसे जीवित रखने के लिए हर काल में निरन्तर प्रयास किए गए। बौद्ध और जैन काल में भी विभिन्न विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई। पिछले कई वर्षों से भारतीय ज्ञान परम्परा की अवहेलना हो रही है। इसे राष्ट्रीय ढांचे में भी उचित रूप से प्रतिबिम्बित करने की आवश्यकता है, ताकि भारत फिर से विश्व में गौरव हासिल कर सके।

The ancient Indian knowledge tradition has been continuously flowing since the Vedic period. Tireless efforts were made in all periods to keep it alive. Various universities were also established during the Buddhist and Jain periods. For many years, there has been some disobedience to the Indian knowledge tradition. This also needs to be appropriately reflected in the national framework. So that India can again gain pride in the world.

अथवा/OR

योग की परम्परा अत्यन्त प्राचीन है। इसकी उत्पत्ति हजारों वर्ष पहले हुई थी। महर्षि पतञ्जलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। 21 जून को अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। यह हमारी बदलती जीवन-शैली में चेतना बनकर हमें स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।

The tradition of yoga is very ancient. It originated thousands of years ago. Maharishi Patanjali gave it a systematic form. International Yoga Day is celebrated on 21st June. Yoga is an invaluable gift of India's ancient tradition. It can help in keeping us healthy by becoming conscious in our changing lifestyle.